दैनिक नवज्योति Ajmer City - 30 Sep 2021 - Page 6

बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र में समझीं वैज्ञानिक शोध की बारीकियां

कासं/अजमेर।

बड़ल्या स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन बुधवार को प्रतिभागियों ने तबीजी स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण किया। साथ ही उन्होंने विज्ञान कथा और नाटक लेखन की बारीकियां भी सीखीं। यह कार्यशाला शिक्षकों, भावी वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को विज्ञान के विभिन्न विषयों पर लोकप्रिय विज्ञान लेखन की कला सिखाने के लिए आयोजित की जा रही है।

डेली साइंस न्यूज एण्ड फीचर्स फॉर डिजिटल एण्ड प्रिन्ट वर्जन ऑफ वैज्ञानिक दृष्टिकोण फॉर प्रमोटिंग साइंस लिटरेसी विषय पर ओरिएंटेशन कार्यशाला की स्थानीय संयोजक डॉ. ज्योति गजरानी ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण सोसायटी के सानिध्य में कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला के संयोजक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सम्पादक तरुण कुमार जैन ने बताया कि सरल और सहज भाषा में देश के नागरिकों को विज्ञान की प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध हो सके, इसलिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। गुरुवार को कार्यशाला का समापन होगा। समापन सत्र में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एस.एन. सक्सेना होंगे। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे।